VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1525)

Name of Candidate	AAKIP KHAN		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	256964
Center	Jaipur	Date	26/12/2020

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** Administration discretion can be a blessing if used correctly, however its misuse can prove to be a curse. Discuss with examples. **(150 words) 10**

यदि प्रशासकीय विवेक सही तरीके से उपयोग किया जाए तो यह एक वरदान हो सकता है, हालांकि इसका दुरुपयोग अभिशाप सिद्ध हो सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

प्रशासकीय विवेक से तात्पर्य प्रशासनिक अधिकारियों के पास उस शक्ति के होने से है, जिसमें वह स्वयं की अन्तर्आत्मा से निर्णय लेने में सक्षम हो।

प्रशासकीय विवेक के सही उपयोग के लाभ

- इससे आम-जन की सेवा की जा सकती है, जैसे केरल बाढ़ के दौरान IAS कन्नन गोपीनाथ स्वयं सेवा वितरण में जुट गये।
- इससे जन प्रतिबद्धता बनती है, व सार्वजनिक शुभ घटित होता है जैसे IAS आर्मस्ट्रांग पामे द्वारा बिना सरकारी सहायता के 100km लम्बी सार्वजनिक सड़क बनाना।
- इससे मनोवृत्ती परिवर्तन किया जा सकता है जैसे IAS राहुल कुमार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

द्वारा [भावनात्मक बुद्धीमता] का उपयोग करते हुए स्वयं विधवाओ के घाव का ध्यान। रखाये जाना।

- विपत्ती की स्थिति में सार्वजनिक हित के निमित्त जैसे [ग्रेस्टेवल गुरदयाल सिह का गहरे पानी मे खडे रहना]

[दुरुपयोग — अभिशाप]

- इससे प्रशासन मे [निष्पक्षता] प्रभावित होति है जैसे रेल घोटाला आदि
- साथ ही [भ्रष्टाचार] बढता है, जैसे [नीरव मोदी घोटाला]
- साथ ही [सार्वजनिक संसाधनो] का नुकसान होता है जैसे आपदाओ के दौरान भ्रष्टाचार।
- [प्रतिबद्धता का मूल्य] गिरता है

प्रशासनीय विवेक के लिए, लोकसेवको को संवैधानिक नैतिकता, आचारसंहिता व सार्वजनिक हित को आधार बनाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** There is a view that corrupt practices have been socially accepted in India. How can this 'acceptance' be shifted to 'rejection' towards corruption? **(150 words) 10**

प्रायः यह मत व्यक्त किया जाता है कि भारत में भ्रष्ट प्रथाओं को सामाजिक रूप से स्वीकार कर लिया गया है। भ्रष्टाचार के प्रति इस 'स्वीकृति' को 'अस्वीकृति' में कैसे परिवर्तित किया जा सकता है?

भ्रष्ट प्रथाएं विधि के विरुद्ध सार्वजनिक संसाधनों का व्यक्तिगत हितों के लिए उपयोग को संदर्भित करती है।

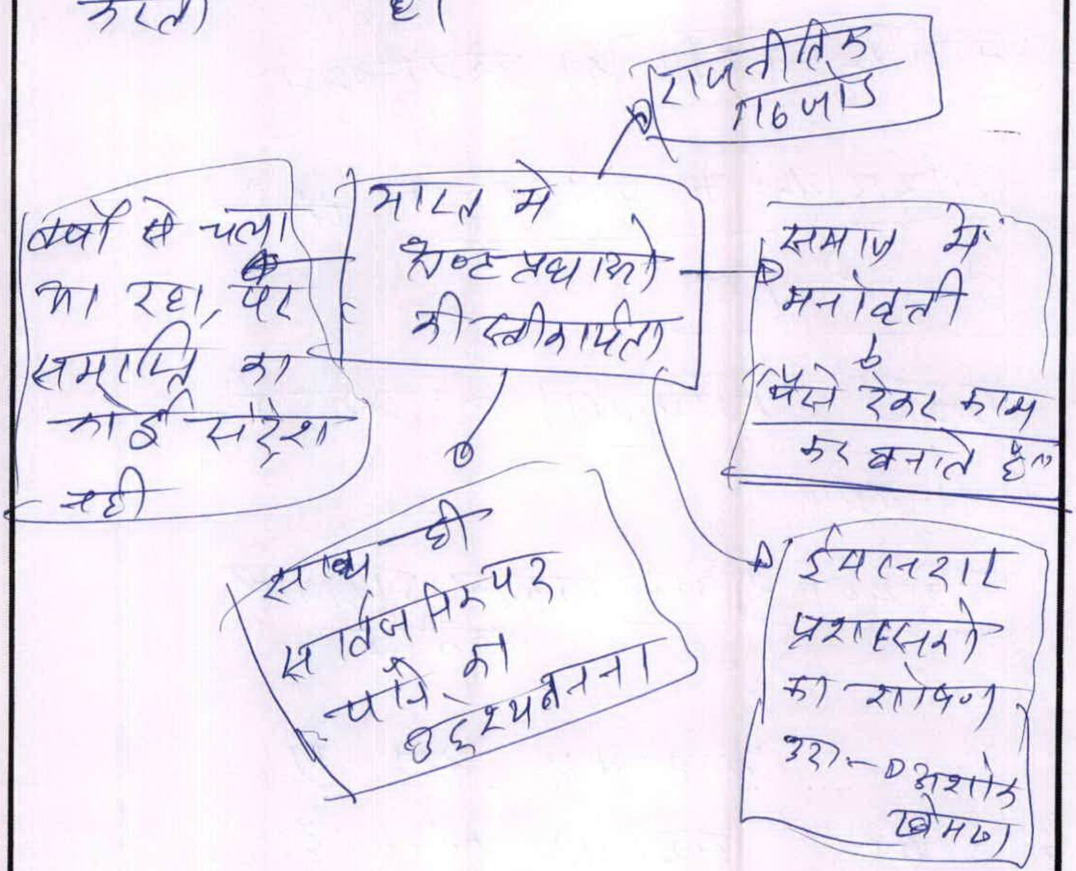

भ्रष्टाचार के प्रति इस स्वीकृति में बदलाव

→ द्वितीय प्रशासनिक आयोग की सिफारिशें

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को बाहर करना जैसे [360 निरीक्षण],
भ्रष्टाचार का वर्गीकरण, गंभीर अपराध
कार्यालय का निर्माण।

- साथ ही [सेवोत्तम] मॉडल का क्रियान्वयन
- [रोल मॉडलिंग] जैसे टी. एन. शेषन, [अशोक खेमका]
- [नागरिक चार्टर] का क्रियान्वयन
- लोक सेवकों मे प्रति बद्धता, जैसे ई-श्रीधरन
- [मिशन – कर्मयोगी] का प्रभावी क्रियान्वयन
- [प्रशिक्षण सुधार] किरण अग्रवाल समीति

भ्रष्टाचार देश मे बडी समस्या रही है, इसके समाधान से ही "कन्फ्यूशियस के कथन" मे सुशासन का आधार ईमानदारी को मानता है' को प्राप्त किया जा सकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** Ethical business practices are key for long-term survival of a company. Comment. **(150 words) 10**

किसी कम्पनी के दीर्घकालिक अस्तित्व के लिए व्यावसायिक नैतिकता महत्वपूर्ण है। टिप्पणी कीजिए।

व्यवसायिक नैतिकता से तात्पर्य व्यवसाय के अन्तर्गत कार्य संस्कृति, कोर्पोरेट शासन व नैतिक संहिता, आचार संहिता के अनुशासनात्मक पालन से है।

कम्पनी के दीर्घकालिक अस्तित्व के लिए व्यवसायिक नैतिकता का महत्व

- इससे कम्पनी मे कार्य-संस्कृति सुदृढ होती है, जैसे इसरो संगठन
- साथ ही इससे ईमानदार कर्मीयो को अभिप्रेरणा मिलती है
- कम्पनी स्पष्ट नीतिविधियाँ रखती है, और व्यक्तिगत हित संघर्ष कम होता है। जैसे ICICI बैंक मे स्पष्ट नीति विधियाँ
- साथ ही जनता का विश्वास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्राप्त होता है, जैसे नारायणमूर्ति आदि

* साथ ही कम्पनी के हित व सार्वजनिक हित संघर्ष कम होता है।

* साथ ही आर्थिक अपराधे जैसी घटनाये कम होति व कम्पनी फेल होने से बचती [उदा.— विजय माल्या — एयर इंडिया]

* साथ ही कम्पनी मे शुद्ध कोर्पोरेट शासन होता है, जैसे एप्पल आदि।

इस प्रकार व्यवसायिक नैतिकता, कम्पनी के दीर्घकालिक अस्तित्व के लिए आवश्यक है, और दायित्व भी, जो व्यवसाय व समाज मे समरसता बढ़ाता है, और गाँधी जी के ट्रस्टीशिप के सिद्धांत को पूर्ण करता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** Law succeeds in encouraging ethical behaviour in a society only when it is backed by conscience of its individuals. Discuss. **(150 words) 10**

किसी समाज में नैतिक व्यवहार को प्रोत्साहित करने में क़ानून केवल तभी सफल होता है जब इसे समाज के लोगों के अंतःकरण द्वारा समर्थन प्राप्त हो। चर्चा कीजिए।

कानून एक परिवर्तन होता है जो समाज के हितो से संबंध रखते हुए लाया जाता है और यह समाज के मूल्यो अनुरूप व प्रतिकूल दोनो हो सकता है।

कानून की सफलता → समाज से समर्थन

यदि कानून सामाजिक मूल्यों के विरुद्ध है, तो उसका विरोध हो सकता है और यह निष्प्रभावी हो सकता है, जैसे SC व ST अधिनियम मे सर्वोच्च न्यायालय द्वारा परिवर्तन

साथ ही यदि कानून भविष्य के अनुरूप प्रगतिशील है लेकिन सामाजिक मूल्यो के अनुरूप नही है, तो भी यह आंशिक असफल हो सकता है, जैसे बाल विवाह रोकथाम अधिनियम

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

साथ ही समाजिक नैतिकता यदि कानून से पीछे है, तो भी यह अप्रभावी हो सकता है।
जैसे IPC-377 को अप्रभावी होना व धार्मिक संगठनों का विरोध

साथ ही यदि कानून, समाजिक मनोवृत्ती के अनुरूप नही है, तो भी यह असफल हो सकता है,
जैसे बच्चो को मारपीटना समाजिक कल्चर माना जाता है

इस प्रकार समाज, कानून व नैतिक मूल्य नैतिक व्यवहार मे परिवर्तन लाते है इसी का कारण है की भारत मे अत्यधिक कानून होने के बावजूद भी आज भी विभिन्न मुद्दे व्याप्त है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Given below are quotations of moral thinkers/philosophers. Bring out what they mean to you in the present context:
निम्नलिखित उद्धरण नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के हैं। स्पष्ट कीजिए कि वर्तमान संदर्भ में आपके लिए इनका क्या अर्थ है:

(a) Our lives begin to end the day we become silent about things that matter. Martin Luther King Jr. **(150 words) 10**
हमारे जीवन का उस दिन अंत होना शुरू हो जाता है जिस दिन हम उन विषयों के बारे में चुप रहना शुरू कर देते हैं जो मायने रखते हैं। मार्टिन लूथर किंग जूनियर

चुप्पी साधना सकारात्मक और नकारात्मक दोनो पक्षो को अंगीकृत करता है, अर्थात यह एक परिस्थिति जन्य मूल्य है।

उपरोक्त प्रकरण का कथन से मार्टिन लूथर किंग यह कहना चाहते है की हमे उन मुद्दो का विरोध करना चाहिए जो वास्तव मे गलत है और जिनका विरोध करना हमारा कर्तव्य है।

जैसे यदि हम किसी बेईमान दुकानदार से कोई वस्तु खरीदे जो मँहगी हो, और हमे पता है फिर भी हम विरोध न करे, इससे आगे भी हमारा ह्रास होता रहेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस कथन के वर्तमान परिप्रेक्ष्य मे अनेको उदाहरण देखे जा सकते है, जैसे पश्चिमी देशो द्वारा पर्यावरणीय ह्रास करना, अब यह हमारा कर्तव्य है की, उन पर दबाव डाला जाए की वह इसकी भरपाई करे।

गाँधी जी ने भी अपने सत्याग्रह के सिद्धांत मे सत्य के सामने साहसिक रूप से खड़े रहने का निर्देश दिया, ऐसा ही संदेश सुकरात सद्गुण नीतिशास्त्र मे देते है।

अतः हमे, एक सक्रीय नागरिक समाज का नागरिक होने के नाते, अपने व दूसरो के हितो का संरक्षण करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** In law a man is guilty when he violates the rights of others. In ethics he is guilty if he only thinks of doing so. Immanuel Kant **(150 words) 10**

क़ानून की नजर में कोई व्यक्ति तब दोषी है जब वह दूसरों के अधिकारों का उल्लंघन करता है। नीतिशास्त्र के अनुसार, वह तब भी दोषी है जब वह ऐसा करने के बारे में सोचता है। इमैनुअल कांट

कानून और नीतिशास्त्र, दोनो मे इनकी प्रभावशालिता और समयपरकता को लेकर अंतर पाया जाता है।

कानून के अनुसार, केवल उसी व्यक्ति को सजा सुनाई जा सकती है जिसने अपराध किया है, जैसे अजमल कसाब द्वारा मुम्बई होटल मे आतंकी हमला किया गया, फिर वह आतंकी सिद्ध हुआ और उसे फाँसी मिली।

लेकिन नीतिशास्त्र नैतिक मानदण्डो के अनुरूप सोच को सही या गलत ठहराता है जो की व्यक्तिगत नीतिशास्त्र व मानदंड

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

परख नीतिशास्त्र में बताया गया है, इसलिए इस मुद्दे में [अजमल कसाब] उसी दिन दोषी बन गया था, जब उसने इस प्रकार की घटना को अंजाम देने की सोचा था।

इस संदर्भ में गाँधी जी का कहना है की मन की शुद्धता से ही कार्य की शुद्धता बनती है और नैतिक मापदण्ड मन की शुद्धता से सरोकार रखते हैं।

इस प्रकार कानून व नीतिशास्त्र एक दूसरे के पूरक नजर आते हैं, इसके वर्तमान उदाहरणों में भ्रष्टाचार करना व सोचना एक प्रमुख उदाहरण है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** What do you understand by Social Intelligence? Discuss its relation with the Emotional Intelligence of an individual. **(150 words) 10**

सामाजिक बुद्धिमत्ता से आप क्या समझते हैं? किसी व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ इसके संबंध पर चर्चा कीजिए।

समाजिक बुद्धिमता से तात्पर्य, व्यक्ति मे इस प्रकार की गुणवत्ता या विशेषता / अभिवृत्ती के होने से है, जिससे वह समाज को प्रभावित कर सके, और समाजिक प्रभाव बना सके।

जैसे — फिल्म स्टारो का जनता पर प्रभाव
- राजनीतिक नेताओ का प्रभाव

संबंध

आधार	भावनात्मक बुद्धीमता	समाजिक बुद्धीमता
निर्णय क्षमता	भावनात्मक बुद्धीमता मे समाजिक दक्षता इससे संबंधित है	समाजिक बुद्धीमता मे, जनता पर प्रभाव निर्णय क्षमता से ही पड़ता है
सार्वजनिक प्रबंधन	भावनात्मक बुद्धीमता सार्वजनिक	समाजिक बुद्धीमता, समाज के सभी हितधारकों से

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

	पक्षो को समझकर सार्वजनिक प्रबंधन की क्षमता देती है	पक्षो को जानकर सार्वजनिक प्रबंधन करती है
आधार	मुख्य आधार भावनाओं व व्यक्ति का व्यवहार	मुख्य आधार समाज का व्यवहार
उपयोग	प्रशासन → निर्णय, नेतृत्व; राजनीति → समावेशन; अनुशासन, सामाजिक कुशलता; स्वास्थ्य लाभ; सामाजिक लक्ष्य → सम्बन्ध बनाना	सामाजिक दक्षता; सामूहिक कार्य ही; सार्वजनिक सहमति बनाने मे; साथ ही जनता का विश्वास व नेतृत्व करने मे

इस प्रकार सामाजिक बुद्धिमता व भावनात्मक बुद्धिमता एक दूसरे से संबंधित है, और इनका उपयोग प्रशासन व नौकरशाही मे होना चाहिए।

4. **(b)** While code of conduct presents a structure to organized values, code of ethics gives a foundation to that structure. Examine. **(150 words) 10**

जहाँ आचरण संहिता संगठित मूल्यों के लिए एक संरचना प्रस्तुत करती है, वहीं नीतिपरक आचार संहिता उस संरचना को एक आधार प्रदान करती है। परीक्षण कीजिए।

आचार संहिता किसी संगठन को प्रशासित करने से संबंधित मानदंडो से सरोकार रखती है, वही नैतिक संहिता का सरोकार उसके उद्देश्यो से है।

आचार संहिता	नैतिक संहिता
वह मानदंड जो संगठन के लोगो को अनुसरित किये जाते है	वह मानदंड जिसके अनुसरण की अपेक्षा या उद्देश्य है
यह उस संरचना का निर्माण करती है, जिन्हें कर्मीयो द्वारा आधार बनाना चाहिए	इस संरचना को आधार नैतिक संहिता के सिद्धांत जैसे सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठा, उचित कार्य संस्कृति प्रदान करते है।

आचार संहिता में वह मानक जिनको अनुसरित किया जाना अनिवार्य है	वह मानक है, जिनको अनुसरित किया जाना चाहिए, क्योंकी ये भविष्य की आचारसंहिता के लक्ष्य है
आचार संहिता का उद्देश्य संगठन में सतत कार्य-संस्कृति बनाये रखना है	नैतिक संहिता का उद्देश्य संगठन में उस कार्यसंस्कृति [नैतिकता] तक पहुँचाना है,

उपरोक्त से स्पष्ट है की नैतिक संहिता, आचार संहिता से आगे का एक कदम है, जिससे संगठन अपने सिद्धांतों के अनुरूप चल पाता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** According to Buddhism, for a man to be perfect there are two qualities that he should develop equally: compassion (karuna) on one side, and wisdom (panna) on the other. Analyse. **(150 words) 10**

बौद्ध धर्म के अनुसार, एक व्यक्ति के पूर्ण होने के लिए उसे स्वयं में दो गुणों को समान रूप से विकसित करना चाहिए: एक करुणा और दूसरा प्रज्ञा। विश्लेषण कीजिए।

बौद्ध धर्म के अनेकों सिद्धांतों मे व्यक्ति के पूर्ण होने के मार्ग बताये गये है जिनमे करूणा और प्रज्ञा प्रमुख है

करूणा से तात्पर्य, ऐसे गुण से है, जिसमे कि कमजोर व्यक्तियो के प्रति समानुभूति दिखाई जाती है।

वही प्रज्ञा से तात्पर्य इस समानुभूति चिंता से प्रभावित कर सार्वजनिक हित के कार्य करने से है

व्यक्ति के पूर्ण होने के लिए यह दोनो सद्गुण आवश्यक है, जैसे

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कोई अमीर व्यक्ति, गरीब व्यक्तियो के प्रति करुणावान हो और उन्हे श्रद्धा मे आकर, दान करे, जैसे बिल एण्ड मलिण्डा गेट्स फाउंडेशन आदि।

चूँकी यह शीलो/गुण व्यक्ति मे आत्म संतुष्टि पैदा करते है, और व्यक्ति उन्नति की ओर पहुँचता है, यह गाँधी जी के सिद्धांतो के भी अनुरूप है।

इसलिए ही लोकसेवक के आधारभूत मूल्यो मे इन सिद्धांतो को भी शामिल किया गया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** The life of Dr. A.P.J. Abdul Kalam presents a broad range of lessons and virtues to be learnt by public servants in India. Discuss. **(150 words) 10**

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन भारत में लोक सेवकों द्वारा सीखे जाने वाले सबक और सद्गुणों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करता है। चर्चा कीजिए।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम मे ऐसे अनेको सद्गुण व कार्य का अद्भुत समावेश था, जिससे वह रोल मॉडल नजर आते थी

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन व सबक –

पर्यावरणीय नैतिकता

उन्होंने जब बिल्डिंग पर सुरक्षा के सुझाव माँगे, तो काँच लगाने का सुझाव नकारा, क्योंकि वह पक्षियों को नुकसान पहुँचा सकता था। आज के लोक सेवकों मे भी पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए

प्रतिबद्धता – राष्ट्र के प्रति मरने तक सेवारत रहे, अपनी आय भी त्यागदी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोक सेवकों में भी राष्ट्र के प्रति इस प्रकार की प्रतिबद्धता होना आवश्यक है।

सेवा भावना → बिना किसी भौतिक लाभ की चिंता किए, राष्ट्र विकास व सेवा में लगे रहे

लोक सेवकों में भी भ्रष्टाचार व आर्थिक मुद्दों से ज्यादा कार्य व सेवा भावना होनी चाहिए जैसे ई श्रीधरन आदि

सहिष्णुता → सभी धर्मों का सम्मान करते थे।
लोक सेवकों में भी इसी प्रकार के गुण समावेशीकरण के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक है।

सत्यनिष्ठा & वस्तुनिष्ठा → अपने पैसों से रिश्तेदारों का किराया
ऐसा ही लोकसेवकों में हो
इस प्रकार लोकसेवक डॉ ए॰ पी॰ जे॰ अब्दुल कलाम के जीवन से सीख सकते हैं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Identify which essential information should be made available to the public via Citizen's Charter? Also, suggest some steps for successful implementation of the Citizen's Charter. **(150 words) 10**

चिन्हित कीजिए कि नागरिक चार्टर के माध्यम से कौन-सी आवश्यक जानकारी जनसामान्य के लिए उपलब्ध कराई जानी चाहिए? साथ ही, नागरिक चार्टर के सफल कार्यान्वयन के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

नागरिक चार्टर, एक ऐसा दस्तावेज है जिसमे सेवा संबंधी सभी सूचना का एक नोट होता है, या मारसूचना होति है।

उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाएं या जानकारी 2

- कार्यालय मे कोनसी सेवा प्रदान की जाती है।
- कोन लाभार्थि हो सकते है
- समय ही मय मानदे है
- शिकायत निवारण तंत्र केवारे मे
- साथ ही कार्यालय, का कार्य मय। ही

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपाय

- सर्वोत्तम मॉडल का क्रियान्वयन
- साथ ही स्थानीय भाषा में ही
- साथ ही सभी कार्यालयों में ही
- साथ ही वैधानिक दर्जा दिया जाए
- इसके अलावा, शिकायत निवारण तंत्र
- जन जागरूकता व शिक्षा

इसके लिए ARC-II की सिफारिशों को लागू किया जा सकता है तथा सर्वोत्तमों का सुदृढ़ीकरण किया जा सकता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Respect for human rights and humanitarian principles is a responsibility for all members of the international community. Discuss in the context of roles and responsibilities of States for protection of refugees. **(150 words) 10**

मानव अधिकारों और मानवीय सिद्धांतों के प्रति सम्मान व्यक्त करना अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सभी सदस्यों का उत्तरदायित्व है। शरणार्थियों के संरक्षण के लिए राष्ट्रों की भूमिकाओं और उत्तरदायित्व के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

- वर्तमान मे विश्व के कई स्थानो पर शरणार्थी संकट की समस्या देखी जा रही है जैसे सीरिया, म्यांमार भारत।

शरणार्थियों के संरक्षण मे राष्ट्रों की भूमिका

- आने वाले शरणार्थियों को शेल्टर प्रदान करना
- उन्हे अनुचित रूप से देश से बाहर न निकालना
- साथ ही उत्तरदायित्व साझा करना
- इनके अलावा संबंधित क्षेत्र मे शांति लाना

* विश्व - नागरवाद का पालन करना।

* इसके अलावा आदर्शवादी व गाँधीवादी विचारों का पालन करना।

* साथ ही शरणार्थियों के लिए वैश्विक निधि व संसाधन आपसी सहयोग से जुटाना।

वर्तमान में जलवायु शरणार्थी व नृजातीय संघर्ष के कारण यह मुद्दा गहरा हो गया है, जिसके समाधान के लिए वैश्विक नीति की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. What is red-tapism? Why is it considered a hurdle in the process of transitioning towards citizen centric governance? **(150 words) 10**

लाल फीताशाही क्या है? क्यों इसे नागरिक केंद्रित शासन व्यवस्था की ओर स्थानांतरण की प्रक्रिया में एक बाधा के रूप में देखा जाता है?

लाल-फीताशाही से तात्पर्य, प्रशासन में कार्रवाही में रूकावट से है अर्थात प्रशासको द्वारा सार्वजनिक कार्यों के प्रति अनिच्छा व जटिल प्रक्रिया अतिरूप

नागरिक केंद्रित शासन व्यवस्था में बाधा।

- इससे प्रक्रिया जटिल होती है, नागरिक उसे समझ नही पाते
- साथ ही नागरिकों के लिए सेवा वितरण नही हो पाता
- साथ ही नागरिकों की भागीदारी भी नही होती।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- साथ ही इससे नागरिक - प्रशासन [संवाद] कम होता है
- नागरिकों को सेवा की गारन्टी भी नहीं मिलती
- उत्तरदायित्व व पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं होती।

उपरोक्त के कारण ही वर्तमान में ई-शासन व डिजिटलीकरण पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि इस प्रक्रिया को सरल किया जा सके।

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. Given the rising tide of Covid induced fatalities, the government is under extreme pressure to deliver some vaccine to the population. You are the Cabinet Secretary to the Government of India. You are heading the committee to oversee the process of vaccine development and distribution to fight against the Covid outbreak in the country. You have been asked to expedite the process and come up with a solution at the earliest.

Some vaccines are available around the globe, but they are in limited supply and also expensive. One of the indigenously developed vaccine has shown initial positive results, but health experts have raised concerns over its safety, efficacy and the methodology being followed for its approval. Other promising vaccines under development, following a rigorous methodology, may take months to enter the market. In this context:

(a) What are the critical issues involved in the case?

(b) Explain, with relevant reasons, the course of action that you would take. **(20)**

कोविड के प्रकोप के कारण मृत्यु की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकार, जनता को कुछ वैक्सीन उपलब्ध कराने को लेकर अत्यधिक दबाव में है। आप भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिव हैं। आप देश में कोविड प्रकोप का सामना करने के लिए वैक्सीन का विकास और वितरण की प्रक्रिया का निरीक्षण करने वाली समिति का नेतृत्व कर रहे हैं। आपको प्रक्रिया में तेजी लाने और जल्द से जल्द समाधान के लिए कहा गया है।

वैश्विक स्तर पर कुछ वैक्सीन उपलब्ध हैं, लेकिन उनकी आपूर्ति सीमित है और साथ ही वे महंगी भी हैं। स्वदेशी रूप से विकसित वैक्सीन में से एक में आरंभिक सकारात्मक परिणाम देखे गए हैं, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसकी सुरक्षात्मकता, प्रभावकारिता और इसके अनुमोदन के लिए अपनाई जा रही कार्यपद्धति पर चिंता व्यक्त की है। विकास की प्रक्रिया के तहत कठोर कार्यपद्धति का पालन करने वाली अन्य आशाजनक वैक्सीनों को बाजार में उपलब्ध होने में महीनों का समय लग सकता है। इस संदर्भ में:

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित महत्वपूर्ण मुद्दे क्या हैं?

(b) प्रासंगिक कारणों के साथ स्पष्ट कीजिए कि इस संबंध में आप क्या कार्यवाही करेंगे।

उपरोक्त प्रकरण मे, वर्तमान मे व्याप्त वैक्सीन समस्या और कोविड महामारी के प्रकोप को स्पष्ट किया गया है, यहाँ उपलब्धता व वितरण

को लेकर असमंजस बना हुआ है।

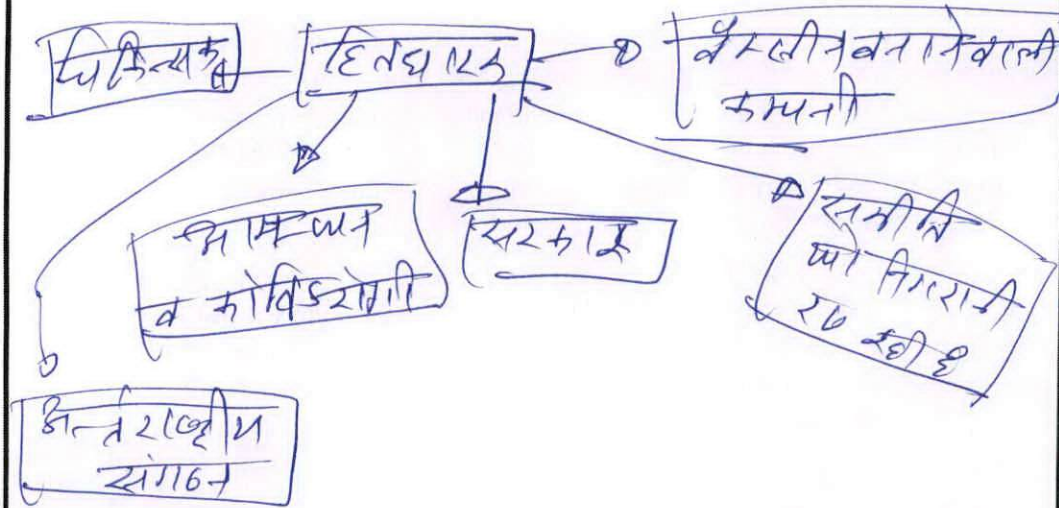

(b) इस प्रकरण में सम्मिलित मुद्दे

- वैक्सीन की उपलब्धता, वो भी समय पर
- वैक्सीन का राष्ट्रीय/देशी उत्पादन
- वैक्सीन बनाने में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया व उस पर प्रश्न चिह्न लगाना
- सरकार पर जनता को जल्द वैक्सीन उपलब्ध कराने का दबाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* वैक्सीन का मँहगी होना और देश में सीमित खरीद क्षमता

* ~~साथ~~ साथ ही वैक्सीन वितरण को लेकर ~~अ~~ अपनाए जाने वाले नैतिक सिद्धांत, किसको प्राथमिकता दी जाए

* कोविड के कारण लगातार बढ़ती मृत्यु दर

(b) इस प्रकरण मे हम निम्न कार्यवाही कर सकते है

→ जल्द से जल्द देशी फर्मो या विदेशी फर्मो से समझौते के माध्यम से वैक्सीन उपलब्धता का प्रयास करेंगे

→ साथ ही घरेलू वैक्सीन के कुछ स्तर पर उपयोग की अनुमती दी जा सकती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- कुछ वैश्विक कंपनियों के देशों के साथ वार्ता के माध्यम से आपूर्ति बढ़ाने के लिए कहा जा सकता है।

- साथ ही उपलब्ध होने पर प्राथमिकता आधारित सिद्धांतों का निर्धारण करेगी।

कारण

- वैक्सीन की जल्द उपलब्ध होना समय की आवश्यकता है,
- सरकार पर भी वैक्सीन उपलब्धता को लेकर दबाव है।

- साथ ही घरेलू वैक्सीन के समक्ष मुद्दे होने के कारण अन्तर्राष्ट्रीय सहायता की आवश्यकता है

- इसके अलावा चूँकि वैक्सीन उपलब्धता सीमित है, इसलिए [उचित वितरण] करना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

होगा, और इसके लिए नैतिक आधार तय करने होंगे

- जैसे बुजुर्गों व संवेदनशील वर्गों को प्राथमिकता
- स्वास्थ्य कर्मियों को प्राथमिकता
- व अन्य पिछड़े वर्गों को प्राथमिकता
- शुल्क कम होना या न होना
- आदि

इस प्रकार कई विशेष कदमों से [उपयोगिता वादि सुधार] के प्रभाव को अपनाकर नैतिक आधारों पर वैक्सीन से संबंधित समस्या का समाधान किया जा सकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Literacy levels have been increasing in India over the past few decades, and the literacy rate was found to be 74.04 per cent after the 2011 census. Though this increase in literacy rate seems like a very great accomplishment, it is a matter of concern that still so many people in India cannot even read and write. Children are going to school but not learning much beyond "floor level tasks".

Moreover, the higher literacy level has not resulted in better human values and this is manifested in the troubled atmosphere in the society at large. This failure of the education system to reform human behavior is troubling for a young democracy, like India. Given this situation, answer the following:

(a) What role is education expected to play in reforming human behaviour and inculcating human values?

(b) Do you think only the government is responsible for this state of the education system? If not, identify the stakeholders who should press for a change in the education system in this regard. **(20)**

पिछले कुछ दशकों से भारत में साक्षरता का स्तर बढ़ रहा है, और वर्ष 2011 की जनगणना के अंतिम आंकड़ों के अनुसार भारत में साक्षरता दर 74.04 प्रतिशत रही। यद्यपि, साक्षरता दर में यह वृद्धि बहुत बड़ी उपलब्धि की तरह प्रतीत होती है, तथापि इसके साथ चिंता का विषय यह है कि अभी भी भारत में अत्यधिक संख्या ऐसे लोग विद्यमान हैं जो पढ़ और लिख नहीं सकते हैं। बच्चे शिक्षा प्राप्त करने के लिए विद्यालय तो जा रहे है लेकिन वे अभी भी स्तरीय ज्ञान से अधिक कुछ नहीं सीख पा रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, उच्चतर साक्षरता से बेहरत मानवीय मूल्य परिलक्षित नहीं हुए हैं जिसे समाज में व्यापक रूप से अशांत वातावरण के रूप देखा जा सकता है। मानव व्यवहार में सुधार लाने में विफल शिक्षा प्रणाली भारत जैसे नवोदित लोकतंत्र के लिए समस्या है।

इस परिस्थिति को देखते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) मानव व्यवहार में सुधार लाने और मानवीय मूल्यों को विकसित करने में शिक्षा द्वारा निभाई जाने वाली अपेक्षित भूमिका क्या है?

(b) क्या आप मानते हैं कि शिक्षा प्रणाली की इस दशा के लिए केवल सरकार जिम्मेदार है? अगर नहीं, तो उन हितधारकों की पहचान कीजिए जिन्हें इस संबंध में शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाने के लिए दबाव डालना चाहिए।

उपरोक्त प्रकरण हमारे देश में शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता व अन्य कमियों को स्पष्ट करता है, जिससे विभिन्न

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कारण हैं

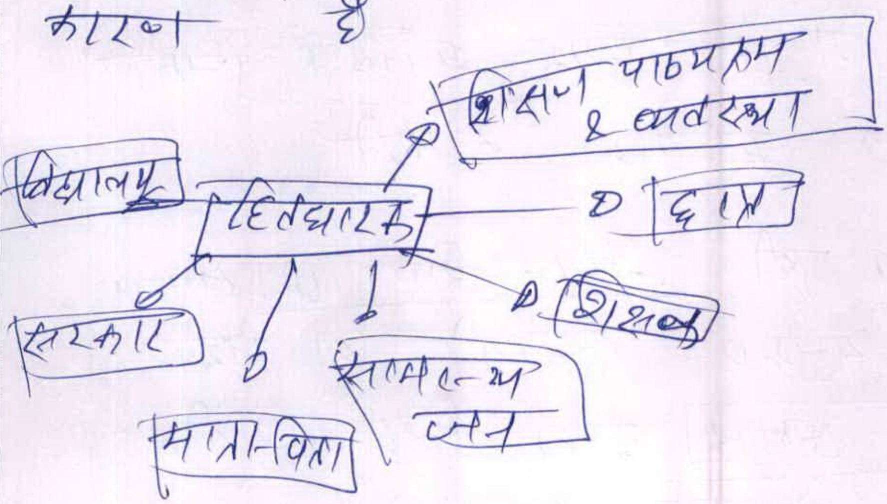

मुद्दे —
- शिक्षा की गुणवत्ता खराब होना
- भारत की असाक्षर लोगो की बड़ी संख्या।
- उच्चतर शिक्षा मे बेहतर मानवीय मूल्यो का अभाव
- स्कूली शिक्षा का स्तरीय रहना

(a) मानवीय व्यवहार मे सुधार लाने और मानवीय मूल्यो को विकसित करने मे शिक्षा व्यवस्था की भूमिका। —

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* छात्रो मे सकारात्मक मनोवृत्ती निर्माण मे, जैसे महिलाओ के प्रति

* साथ ही, नैतिक शिक्षा जो समाज के अनुरूप उपयोगी हो जैसे आनंद कुमार द्वारा निशुल्क गरीब बच्चो के लिए IIT की शिक्षा देना

* साथ ही शिक्षा, बच्चो मे अच्छे सद्‌गुणो का निर्माण करे जैसे अरस्तु की शिक्षा के कारण सिकंदर महान ने, जीते गये क्षेत्रो पर अपनी संस्कृति को नही थोपा।

* शिक्षा बच्चो मे नेतृत्व विकास, सामाजिक दक्षता का निर्माण करे जैसे विभिन्न कार्यक्रमो व गतिविधियो से

* साथ ही शिक्षा बच्चो मे भावनात्मक बुद्धीमता का विकास करे,

* शिक्षा बच्चो को देश के प्रति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रतिबद्ध करे, जैसे 14 वर्षीय गोपाल द्वारा कई बार देशहित के कारण नारा के आंकार को नकारना।

- बच्चो मे समानुभूति, दया, करूणा जैसे नैतिक गुण है।

(b) सरकार की जिम्मेदारी

हाँ	नहीं
सरकार ने उचित पाठ्यक्रम बच्चो को उपलब्ध नही कराना	शिक्षा मे पाठ्यक्रम के अलावा स्कूली वातावरण, शिक्षण, दोस्त आदि भी प्रभावित करते है
साथ ही शिक्षा को सिर्फ परिणाम तक सीमित रखा	मूल्य वगैरह, व्यक्ति परिवार, मित्र, समूह से भी सीखता है
बच्चो को नवाचारी गतिविधियो मे भविष्य प्रदान न करना	साथ ही वर्तमान दौर मे पूर्ण रूप से सरकार पर उत्तरदायित्व नही डाला जा सकता है
विद्यार्थी शिक्षा मे अभी तक मूल्यपूर्ण शिक्षा न देना	

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

वह हितधारक, जिन्हे इस संबंध मे स्वाव डालना चाहिए,

- माता-पिता → वह शिक्षा मे पारिवारिक, नैतिक मूल्यो के लिए स्वाव डाल सकते है
- छात्र → गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए
- नागरिक समाज → एक सक्रीय नागरिक होने के नाते जैसे प्रथम NGO
- शिक्षक → शिक्षको पर मन्यवार्यो के स्वाव को समझने के लिए
- विद्यालयी स्टाफ → विद्यालयी अवसंरचना के लिए

महात्मा गाँधी ने कहा था, जो शिक्षा व्यक्तित्व मे परिवर्तन नही कर सकती, वह शिक्षा बेकार है। हमे इससे सीखने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Problems surrounding air pollution present an urgent challenge for many countries, including India. Among other reasons, this challenge has been exacerbated by the indifferent attitude of people towards it. Various studies have pointed out the harmful effects of air pollution. Despite the government bringing various regulations on activities like stubble burning and bursting fire crackers, people violate them.

(a) Discuss the reasons behind such behaviour on part of society towards air pollution.

(b) Suggest measures that are required to be undertaken to nudge people towards pro-environment behaviour. **(20)**

वायु प्रदूषण के चतुर्दिक समस्याएं भारत सहित कई देशों के लिए एक गंभीर चुनौती उत्पन्न करती हैं। अन्य कारणों के बीच, इस चुनौती को इसके प्रति लोगों के उदासीन अभिवृत्ति से और बढ़ावा मिला है। विभिन्न अध्ययनों द्वारा वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों को इंगित किया गया है। सरकार द्वारा पराली जलाने और पटाखे फोड़ने जैसी गतिविधियों पर कई तरह के विनियम लागू करने के बावजूद लोग इनका उल्लंघन करते हैं।

(a) वायु प्रदूषण के प्रति समाज के इस तरह के व्यवहार के कारणों पर चर्चा कीजिए।

(b) उन उपायों का सुझाव दीजिए जो पर्यावरण समर्थक व्यवहार के प्रति लोगों को आकर्षित करने के लिए आवश्यक हैं।

उपरोक्त प्रकरण मे, वर्तमान विश्व — नगरवादी दौर मे, वायु प्रदूषण की समस्या को स्पष्ट किया गया है, एक रिपोर्ट के अनुसार भारत इससे प्रतिवर्ष 1.2 लाख लोगो की मौत होति है

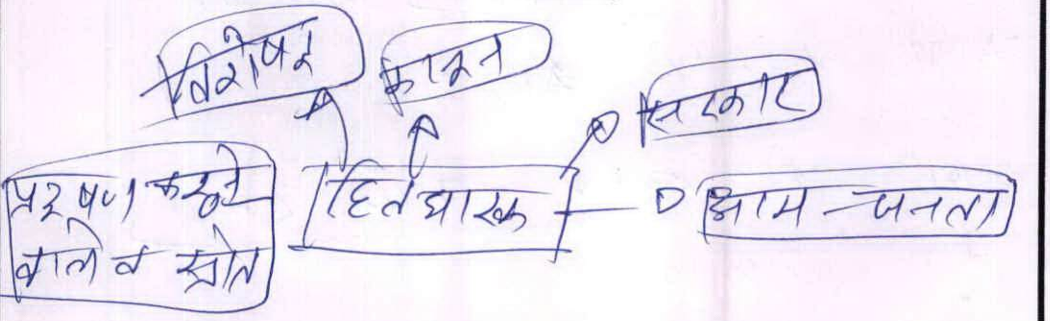

मुद्दे
- वायु प्रदूषण के प्रभाव
- लगातार बढ़ता प्रदूषण
- वायु प्रदूषण के प्रति आम जन का उदासीन रवैया
- नियमों का जनता द्वारा उल्लंघन
- समाधानों के सीमित विकल्प

(a) वायु प्रदूषण के प्रति समाज के इस तरह के व्यवहार के कारण –

- निम्न जागरूकता व पर्यावरणीय शिक्षा जिससे आम जन इसके प्रभावों से अनभिज्ञ है।
- पर्यावरणीय नैतिकता का अभाव
- आम जन की मनोवृत्ति की यह कार्य सरकार का है
- साथ ही सक्रीय नागरिक समाज का अभाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* समाज मे उत्तरदायित्व को दूसरे पर डालने की मनोवृत्ती
* व्यक्तिगत हितो को सार्वजनिक हितो से सर्वोपरी मानना
* मूल्यो व व्यवहार मे असमन्वय

(b) उपाय — लोगो का व्यवहार परिवर्तन

* लोगो मे पर्यावरणीय मूल्यो को बनवा देना
* रोल मॉडलिंग करना, जैसे की हीलिंग हिमालय संगठन द्वारा हिमालय से लगभग 4 लाख टन कुडे को हटाना
* लोगो मे पर्यावरणीय नैतिकता को अंगीकृत कराना
* पर्यावरण प्रदूषण के प्रभावो के बारे मे सूचना विस्तार करना, जैसे विज्ञापनो से

- साथ ही अभिप्रेरणा स्रोतों का निर्माण करना जैसे फॉरेस्ट मैन ऑफ इंडिया जो स्वयं लगभग 1300 hac पर वनीकरण कर चुके है।

- इसके अलावा मनोवृत्ती बदलाव की प्रक्रिया को अपनाना, इसमे संदेश स्रोत मे बदलाव, दबाव का सहारा लिया जा सकता है।

- भावनात्मक बुद्धीमता को उपयोग सामाजिक दक्षता को बढाना व लोगो के व्यवहार परिवर्तन की ओर प्रेरित करना।

- सामाजिक प्रभाव का प्रयोग जिसमे कमी, पारस्परिकता, पसंद करना आदि जैसी विधियाँ अपनाई जा सकती है।

- पर्यावरण संरक्षण व आदिवासी

को जोड़कर प्रदर्शित करना, जैसे अम्बिकापुर में मारवेल केके का निर्माण।

हमारे देश में पर्यावरणीय वायु प्रदूषण की समस्या वर्ष दर वर्ष गहन होती जा रही है, सरकार को व लोगों को गांधी जी के इस कथन को समझना होगा- 'यदि आप दुनिया में बदलाव देखना चाहते है, तो स्वयं बदलाव बनिये'

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. In recent times, social media has emerged as an important platform for all to share their information and opinions. Many civil servants are also quite active on the social media. Given this situation, there have been calls to revise or update the Civil Services Conduct Rules.

Suppose you are a senior IAS officer who is heading a panel set up by the government to bring suitable changes in the conduct rules. Elaborate on how you will respond to the following questions:

(a) What are the issues with a civil servant expressing his/her views on social media on various matters?

(b) Should criticism of government policies on social media by civil servants be allowed?

(c) How should civil servants conduct themselves on social media? **(20)**

हाल के दिनों में, सोशल मीडिया सभी के लिए अपनी जानकारी और राय साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है। कई लोक सेवक भी सोशल मीडिया पर अत्यधिक सक्रिय हैं। इस स्थिति को देखते हुए, सिविल सेवा आचरण नियमावली को संशोधित या अद्यतित करने की मांग की गई है।

मान लीजिए आप भारतीय प्रशासनिक सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं, तथा आचरण नियमावली में उपयुक्त परिवर्तन करने के लिए सरकार द्वारा स्थापित एक पैनल का नेतृत्व कर रहे हैं। विस्तारपूर्वक बताइए कि आप निम्नलिखित प्रश्नों पर क्या प्रतिक्रिया देंगे:

(a) एक लोक सेवक द्वारा विभिन्न मुद्दों के संदर्भ में सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त किए जाने से संबंधित मुद्दे कौन-से हैं?

(b) क्या लोक सेवकों द्वारा सोशल मीडिया पर सरकारी नीतियों की आलोचना करने की अनुमति दी जानी चाहिए?

(c) लोक सेवकों को सोशल मीडिया पर खुद को कैसे संचालित करना चाहिए?

उपरोक्त प्रकरण मे, लोकसेवको के बोलने की स्वतंत्रता बनाम व्यवसायिक दायित्व के मध्य की दुविधा का स्पष्टीकरण होता है। चूँकी वर्तमान लोक सेवा नियमावली इससे संबंधी मुद्दो से संदर्भ रखती है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म
संविधान (अनुच्छेद-19) — हितधारक — लोक सेवक
लोक सेवा नियमावली
आम जनता
सरकार

(a) लोक सेवक द्वारा सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त किए जाने संबंधित मुद्दे :

- चूँकी लोक सेवकों पर, भारत सरकार का साथ देने का दायित्व होता है इसलिए वह आलोचना का मार्ग नहीं अपना सकते
- साथ ही वर्तमान नियमावली शोसल मीडिया प्लेटफार्म पर लागू नहीं होती
- इन प्लेटफार्मों पर, लोक सेवकों का दायित्व तय करना भी कठिन है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- साथ ही इससे लोक सेवक भी राजनीतिक मुद्दों में संलग्न हो सकते हैं
- लोकसेवकों पर लोक-लुभावन का अनावश्यक दबाव बन सकता है।
- साथ ही लोकसेवकों की निष्पक्षता व सहिष्णुता जैसे मूल्य प्रभावित हो सकते हैं

(b) सरकारी नीतियों की आलोचना की अनुमति

हाँ	नहीं
क्योंकि यह अनुच्छेद के अनुरूप है	इससे लोक सेवा भी एक राजनीतिक कीचड़ बन जाएगी
इससे लोकसेवकों में भाई-भतीजावाद रुकता है	साथ ही लोकसेवकों की निष्ठा पर सवाल खड़े हो सकते हैं
लोक सेवक अपनी समस्याएँ बता सकते हैं	कार्य संस्कृति

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

हाँ	नहीं
लोकसेवकों पर राजनेताओं का अनावश्यक दबाव कम हो सकता है।	प्रभावित होती है
ईमानदार लोकसेवकों की सुरक्षा की जा सकती है	लोक सेवकों को सरकार के साथ अत्यधिक जुड़ाव से कार्य करना होता है, इसलिए प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखने के लिए भी इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती
सोशल मीडिया पर प्रशासनिक कार्य भी संभव है जैसे IAS प्रशांत नैय्यर	इससे सरकारी कार्यों में अनावश्यक बाधाएं आ सकती है

उपरोक्त बिन्दुओं से स्पष्ट होता है, की इस प्रकरण पर विस्तृत चर्चा की आवश्यकता है

(c) लोक सेवकों को सोशल मीडिया पर निम्न सिद्धांतों का पालन करना चाहिए:

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- लोक सेवक प्रत्येक विचार से पहले अपनी व्यवसायिक संहिता का पालन करे
- सोशल मीडिया का उपयोग जनता के हित मे करे, जैसे ईव टीजिंग के लिए जागरूकता फैलाना
- सोशल मीडिया पर निष्पक्ष रूख अपनाना।
- साथ ही किसी विचारधारा के प्रति रूख न अपनाना।
- सोशल मीडिया पर सरकारी कार्यों के बारे सूचना प्रसार करना जिससे पारदर्शिता बढ़े
- लोक सेवा के आधारभूत मूल्यों का ध्यान रखना।

लोक सेवक हमारे देश की प्रशासनिक व्यवस्था का आधार है, इसलिए लोकसेवकों से नैतिक व निष्पक्ष व्यवहार की अपेक्षा की जाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Economic growth has been the primary goal of economic policies, and the principal measure of an economy's success. In the last few decades, economic growth benefitted mankind in multiple ways. But alongside these benefits, it has also generated significant issues and a series of converging challenges. In light of this, answer the following:

(a) What was the rationale behind GDP growth being considered the pillar of economic policies the world over in the past few decades?

(b) Explain the need to go beyond GDP growth and reassess our measures of development. Identify some of the components that need to be complemented with GDP growth going forward. **(20)**

आर्थिक संवृद्धि, आर्थिक नीतियों का प्राथमिक लक्ष्य रहा है, और किसी अर्थव्यवस्था की सफलता का प्रमुख उपाय भी। विगत कुछ दशकों में, आर्थिक संवृद्धि ने मानव जाति को कई तरीकों से लाभान्वित किया है। लेकिन इन लाभों के साथ ही, इसने महत्वपूर्ण मुद्दों को और अभिसरण संबंधी चुनौतियों की एक श्रृंखला को भी उत्पन्न किया है। इस तथ्य के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) विगत कुछ दशकों में विश्व भर में जी.डी.पी. की संवृद्धि को आर्थिक नीतियों का स्तंभ माने जाने का मूल आधार क्या था?

(b) जी.डी.पी. की संवृद्धि से आगे जाने की आवश्यकता की व्याख्या कीजिए और विकास के हमारे उपायों का पुनर्मूल्यांकन कीजिए। कुछ ऐसे घटकों की पहचान कीजिए जिन्हें आगे बढ़ने के लिए जी.डी.पी. की संवृद्धि के साथ पूरक के रूप में होने की आवश्यकता है।

उपरोक्त प्रकरण में विकास बनाम संवृद्धि की दुविधा को स्पष्ट किया गया है, जहाँ विकास समावेशी न होकर, आर्थिक गतिविधियों की ओर अधिक झुका हुआ नजर आता है।

आ.1

सतत विकास

सरकारें — हितधारक — आर्थिक संवृद्धि

जनता

मुद्दे
- आर्थिक संवृद्धी व घटते संसाधन
- आर्थिक संवृद्धी बनाम पर्यावरण संरक्षण
- आर्थिक संवृद्धी बनाम सामाजिक समानता
- आर्थिक संवृद्धी के साथ बेरोजगारी
- आर्थिक संवृद्धी व विकासविभाजन

(a) पिछले डेढ़ दशको मे जी.डी.पी. की आर्थिक संवृद्धी को आर्थिक नीतियों का स्तंभ बनाने का आधार -

* उपनिवेशवादी चलता आ रहा बाजारवाद जिसने पूंजीवाद को हर समस्या का समाधान माना
* साथ ही पश्चिमी संस्कृति जो की उपभोक्तावाद को बढ़ावा देती है, का प्रसार
* साथ ही वैश्वीकरण के कारण भी नव-उपनिवेशवाद का प्रसार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- साथ ही G.D.P की सरल गणना
- साथ ही पिछले दशकों मे पर्यावरणीय जागरूकता व शिक्षा का अभाव होना
- साथ ही G.D.P संकेतक के समक्ष मुद्दों का ज्ञान न होना
- साथ ही, नवीन आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा G.D.P को महत्व देना
- साथ ही, GDP से सभी आर्थिक उत्पादन का सरल मापन

(b) G.DP की संकेतक से आगे जाने की आवश्यकता :-

- वर्तमान मे लगातार होता पर्यावरण क्षरण व जलवायु परिवर्तन
- साथ ही विश्व मे घटते संसाधन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- बढ़ती आर्थिक व सामाजिक असमानता
  शीर्ष 8 अरबपतियों के पास
  कई देशों की G.D.P के बराबर सम्पत्ति

- साथ ही महिलाओं संबंधी मुद्दों
  की उपेक्षा

- बढ़ती बिना रोजगार की समस्या

- साथ ही घरेलू कार्यों का G.D.P
  में शामिल न होना

- अन्य गुणात्मक मुद्दे जैसे खुशी,
  मानव विकास, आत्म हत्या, पोषण
  यों की विकास केन्द्रित कम ही

विकास के हमारे उपायों का मूल्यांकन

- असमानता लगातार बढ़ रही है
- महिलाओं के साथ अभी भी भेदभाव होता है
- पर्यावरण क्षरण जारी है
- देशों के साथ भेदभाव
- स्वास्थ्य का स्तर निम्न है (39% → बौने बच्चे)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सकारात्मक पक्ष

- जीवन प्रत्याशा बढ़ी है — 1950: 49 — वर्तमान: 67 वर्ष
- गरीबी घटी है (विश्व बैंक — भारत में 272 मिलियन लोग कम हुए हैं)
- प्रजनन दर घटी है — 1970: 4.5 — वर्तमान: 2.3
- स्वास्थ्य सुरक्षा
- मातृत्व मृत्यु दर घटी है — 1970: 200 — वर्तमान: 134

UNDP की संदर्भ के साथ पृथक के रूप में होने की आवश्यकता — घटक

- पर्यावरण संरक्षण
- समावेशी विकास — असमानता कम हो
- गुणात्मक पक्ष — खुशी का स्तर, दबाव, तनाव आदि
- राजनीतिक पक्ष — सभी की भागीदारी व लोकतंत्र
- हितधारक — सिविल सोसाइटी, सरकार, आदि

महात्मा गाँधी ने कहा था — पृथ्वी हमारी आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त है, लालच के लिए नहीं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. The Covid-19 pandemic is far from over but governments across the world appear to have either relaxed lockdown parameters or will do so soon. Containing Covid and restoring our economies requires not just good policy decisions and medical advice; it also needs continued compliance with the recommended behavioural changes. Daunting as they may seem, the drastic changes in behaviour being called for, can indeed be brought about. Answer the following in this regard:

(a) Why is behavioural change seen to be desirable in a country like India, when it is faced with a pandemic of the kind of Covid-19?

(b) What role have different stakeholders in India been playing in helping communities adhere to the desired behaviour?

(c) Discuss the challenges in bringing about behavioural change, particularly in such an environment of anxiety and uncertainties. **(20)**

कोविड-19 वैश्विक महामारी की समाप्ति अभी बहुत दूर है लेकिन विश्व भर में सरकारें लॉकडाउन के मानदंडों में या तो शिथिलता प्रदान करती हुई प्रतीत हो रही हैं या शीघ्र ही ऐसा करेंगी। कोविड के प्रसार को रोकने और हमारी अर्थव्यवस्थाओं को पुन: बहाल करने के लिए न केवल अच्छे नीतिगत निर्णयों और चिकित्सा सलाह की आवश्यकता है; बल्कि इसके लिए अनुशंसित व्यवहार परिवर्तनों के साथ इनके निरंतर अनुपालन की भी आवश्यकता है। ये चाहे जितने भी चुनौतीपूर्ण प्रतीत हों, व्यवहार में जिन बड़े बदलावों की अनुशंसा की जा रही है, वे वास्तव में लाए जा सकते हैं। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) भारत जैसे देश में, कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी का सामना करने के लिए व्यवहार परिवर्तन को वांछनीय क्यों माना जाता है?

(b) भारत में समुदायों को वांछित व्यवहार का पालन करने में मदद कर रहे विभिन्न हितधारकों की क्या भूमिका रही है?

(c) विशेष रूप से चिंता और अनिश्चितताओं के ऐसे वातावरण में, व्यवहार में परिवर्तन लाने से संबंधित चुनौतियों की विवेचना कीजिए।

उपरोक्त प्रकरण मे कोविड-19 महामारी व इससे समाधान के प्रयासो की चर्चा की गई है, जिनमे व्यवहार परिवर्तन का मुद्दा नजर आ रहा है।

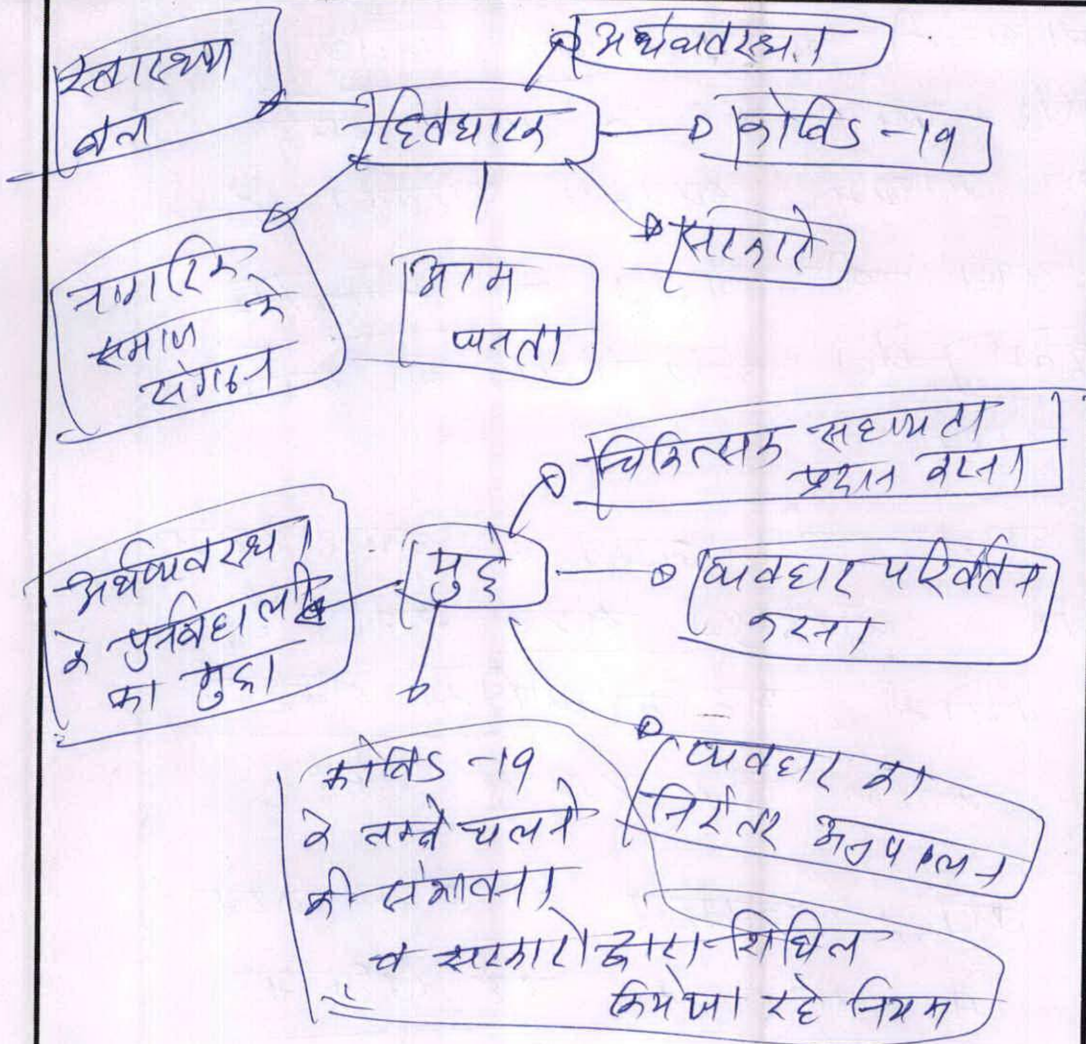

(9) भारत जैसे देश मे — व्यवहार परिवर्तन केंद्रीय

क्योंकी भारत के पास जन संसाधनों का अभाव है, जो कोविड को रोक सकते है, जैसे स्वास्थ्य पेशेवर नर्स, वैक्सीन आदि।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- साथ ही, भारत की बड़ी जनसंख्या में कोविड-प्रसार का डर मन में रोकने का माध्यम व्यवहार परिवर्तन है।
- साथ ही भारत की सांस्कृतिक कृत्य जैसे हाथ मिलाने की जगह प्रणाम।
- साथ ही भारत में ज्यादा समय तक लॉकडाउन संभव नहीं है, क्योंकि यह आजीविका संकट का कारण बन सकता है।

(b) वांछित व्यवहार का पालन करने में मदद कर रहे विभिन्न हितधारकों की भूमिका :-

- नागरिक समाज - जिन्होंने इस संबंध जागरूकता को बढ़ाया जैसे विभिन्न फिल्मी सितारों द्वारा विज्ञापन करना।
- गैर सरकारी संगठन - जिन्होंने मास्क आदि की उपलब्धता व वितरण से पैसा किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार → सरकार द्वारा विज्ञापनों, दण्ड और विनियमन से प्रेरित किया गया है [महामारी रोकथाम संशोधन अधिनियम-2020]

मीडिया → मीडिया द्वारा सूचनाओं का प्रसार करना

सोशल मीडिया → व्यक्तिगत माध्यम के रूप में व जागरूकता लाने में

अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय → अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय जैसे बिल एण्ड मेलिण्डा गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्त देना
UN → द्वारा वित्त
WHO → वित्त, वैक्सीन, सूचना

(C) व्यवहार में परिवर्तन लाने संबंधी चुनौतियाँ :-

आर्थिक रुकावट ने आजीविका संकट पैदा किया है, इसलिए लोग ज्यादा समय तक व्यवहार पर ध्यान नहीं दे सकते

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- साथ ही आम जन का कोरोना के प्रति संदेह
- साथ ही वर्षों से जो वातावरण या व्यवहार चल रहा है उसे एक दम बदलने मे चुनौती।
- इसके अलावा जन-जागरूकता व शिक्षा का अभाव।
- साथ ही सामाजिक संरचना व सांस्कृतिक मूल्य जैसे मंदिर पूजा, केरिवल, व शादियाँ।
- इसके अलावा अन्य व्यवहारिक समस्याऐ

कोविड-19 हमारे सामने एक चुनौती बनकर आया है, इस संबंध महात्मा गाँधी का यह कथन उपयुक्त नजर आता है

– हमे सिर्फ बदने प्रशिक्षण की आवश्यकता, जिससे हम स्वयं की सुरक्षा कर सके